Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

जर्जर विद्यालय के भवनों में सोने को मजबूर क्वारंटाइन प्रवासी

दर्द ए हालात

■गांवों के क्वारंटाइन सेंटर में प्रवासियों को रखने के लिए कम पड़ने लगी है जगह

सीमांत तहसीलों के गांवों में सैकड़ों की तादात में आ रहे प्रवासी

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

पिथौरागढ। कोरोना संक्रमण के चलते जिन प्रवासियों को जिला प्रशासन सीधे घर न भेजकर निकटतम गांवों के विद्यालयों में क्वारंटाइन के लिए रख रहा है। बता दें कि उन गांवों के विद्यालय वर्तमान में काफी जीर्ण शीर्ण जर्जर हालत में है। जानकारी के मुताबिक जिले के सीमांत तहसीलों के गांवों में सैकडों की तादात में प्रवासी आ रहे है। इन प्रवासियों की देखरेख का जिम्मा संभाल रहे ग्रम प्रधान मुसीबत में पड़ने लगे है।

जानकारी के मुताबिक गांवों के क्वारंटाइन सेंटर में अब प्रवासियों को रखने के लिए जगह कम पडने लगी है। बता दें कि सैकडों की तादात में आ रहे इन प्रवासियों की थर्मल स्क्रीनिग कराने के बाद प्रशासन द्वारा इन लोगों को 14 दिन के होम क्वारांटाइन के लिए संबधित गांव के विधालय भवनों में भेजा जा रहा है।

वही ये गांवों के विधालय भवन जर्जर हो चुके है। यहां पर किसी भी हालात में प्रवासियों को रखा नही जा सकता है। सीमांत तहसील गंगोलीहाट के अति दूरस्थ गांव बुंगली ग्रम सभा में अब तक 50 प्रवासी पहुंच चुके है। हालात और भी बुरे नजर आते दिखाई दे रहे है। अब इन गांवों में क्वारंटाइन करने वालों को संभाल पाना टेडी खीर साबित हो रहा है। बिना किसी संसाधनों के इन प्रवासियों को गांवों के जर्जर पड़े विधालयों में रखना जोखिम लेने के बराबर है। जहां इन प्रवासियों को ठहरया गया है वहां के ग्रम प्रधानों के अपने हाथखडे करने शुरू कर दिये है।

ग्रम पंचायत के राजकीय प्राथमिक विधालय व जुनियर हाईस्कूल बुंगली राजकीय ६ यूडाखामा बुंगली के विधालय में जहां पर इन प्रवासियों को ठहराया गया है वहां के कमरे क्षतिग्रस्त होने के कारण प्रवासियों को बरामदे में सोने को मजबूर होना पड रहा है। बता दें कि न तो यहां पर पीने के लिए पानी की व्यवस्था तक संभव हो पा रही है। हालात के आगे ग्रम प्रधान भी कुछ करने को तैयार नही हो पा रहे है। इलाके ग्रम सभा बुगली की आबादी 1500 के करीब है। जो हालात है वह यहां पर क्वारंटाइन कराने के लिए बिल्कुल भी संभव नही है। ऐसे में ये मुसीबत कम होने के आसार नही लग रहे है।

न्यूज डायरी

मदद को आगे बढ़े हाथ

संवाददाता पिथौरागढ़। जिले में कोरोना पीड़ितों की मदद के लिए अब सीमांत तहसीलों से भी लोग मदद के लिए आगे आने लगे है। बता दें कि सीमांत तहसील धारचूला के खुमती गांव के ग्रमीणों ने धारचूला के उपजिलाधिकारी के माध्यम से 25 हजार रूपये की मदद प्रशासन को सौपी है। क्षेत्र के लोगों की ओर से की गई मदद के लिए लोगों व क्षेत्रीय प्रशासन ने आभार जताया है। इस दौरान खुमती गांव से तमाम ग्रमीण मौजूद रहे।

मुश्किल घड़ी में सुधि संस्था के प्रयास की हुई सराहना

संवाददाता पिथौरागढ़। वैश्विक महामारी कोरोना की रोकथाम के लिए जनपद की विधायक चंद्रा पंत ने मुश्किल घड़ी में सुधि संस्था के कार्यो की सराहना करते हुए आभार जताया है। बता दें कि सुधि संस्था आपदा की इस घड़ी में लोगों के बीच जाकर इन्हें कोविड 19 से रोकथाम करने के लिए जनजागरूकता के साथ सजगता अभियान चलाकर जिला प्रशासन व इलाके के लोगों को प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रही है। वही इस संस्थान द्वारा अब सामाजिक दूरी का पालन करने के साथ जिले व सीमांत तहसीलों में मास्क व सेनिटाइजर भी बांटे गये। संस्थान के सचिव किशोर पंत ने विधायक से पत्र के माध्यम से कहा कि बाहर से लाये जा रहे प्रवासियों को जिला प्रशासन से संस्थागत क्वारंटाइन में रखें। इस दौरान सुधि संस्थान के तमाम सदस्य भी मौजूद रहे।

अमेजन इंडिया ने सुरक्षित आपूर्ति देने के लिये अपने 100 बदलाव किये

संवाददाता देहरादून। अपने एसोसिएट्स, कर्मचारियों, पार्टनर्स और ग्राहकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये अमेजन इंडिया ने अपनी इमारतों में सामाजिक दूरी बनाये रखने और ग्राहकों के लिये सुरक्षित डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिये अपने जमीनी स्तर के परिचालन में लगभग 100 बदलाव किये हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और स्थानीय प्रशासन के मार्गदर्शन का पालन करते हुए अमेजन इंडिया ने कम्यू निकेशन के नये फॉर्मेट, प्रोसेस, बदलावों, नई प्रशिक्षण विधियों और कई नीतिगत बदलावों के माध्यम से फुलफिलमेन्ट सेंटर्स, सॉर्टेशन सेंटर्स और डिलीवरी स्टेशंस समेत अपने सभी परिचालन स्थलों में अपनी पद्धतियों को व्यवस्थित किया है। एसोसिएट का संवाद और प्रशिक्षणः अमेजन इंडिया ने अपनी पद्धतियों को इस प्रकार व्यवस्थित किया है कि टीमों और सहकर्मियों के बीच सुरक्षित दूरी हमेशा रहे। अपने एसोसिएट्स के लिये शिफ्ट शुरू होने के समय और ब्रेक टाइम्स में अंतर किया है।

बिहार वापसी की मांग को लेकर मजदूरों का घंटाघर पर प्रदर्शन

देहरादून। बिहार वापसी की मांग को लेकर प्रदेश की स्थाई राजधानी में सैकड़ों मजूदरों ने दून के ह्रदयस्थल घंटाघर के समक्ष प्रदर्शन करते हुए धरना प्रदर्शन किया। कहा कि लगातार उनकी मांगों को अनदेखा किया जा रहा है। आज बड़ी संख्या में मजूदर घंटाघर पर इकटठा हुए और वहां पर उन्होंने बिहार वापसी की मांग को लेकर प्रदर्शन कर धरना दिया। इस अवसर पर मजदूरों ने कहा कि लगातार उनके हितों के लिए किसी भी प्रकार की कोई ठोस नीति नहीं अपनाई जा रही है बार बार कहा जा रहा है कि सरकार व जिला प्रशासन व्यवस्था करने में जुटा हुआ है लेकिन अभी कि कोई प्रयास नहीं हो पा रहे हैं जिससे मजूदरों में रोष बना हुआ है। मजदूर लगातार अपना विरोध दर्ज कर रहे हैं उनका कहना है कि उन्हें बिहार भेजा जाये।

हिमालयन हॉस्पिटल व कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट बना एनएबीएच सर्टिफाइड टीचिंग हॉस्पिटल

संवाददाता

देहरादून। स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय के अधीन संचालित हिमालयन हॉस्पिटल व कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट को नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड फॉर हॉस्पिटल एंड हेल्थ केयर प्रोवाइडर (एनएबीएच) सर्टिफिकेट मिला है। यह सर्टिफिकेट अस्पतालों को मरीजों के गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए दिया जाता है। एसआरएचयू के कुलपति डॉ. विजय धस्माना ने बताया कि हिमालयन हॉस्पिटल को एनएबीएच सर्टिफिकेट मिलना हॉस्पिटल के लिए बड़ी उपलब्धि है। हॉस्पिटल में आने वाले मरीजों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरुप सुविधाएं दी जा रही हैं। उन्होंने बताया कि

देश भर में 25 टीचिंग मेडिकल हास्पिटल को है मान्यता

नवंबर 2019 में एनएबीएच की टीम ने हिमालयन हॉस्पिटल में दी जा रही सुविधाओं का तीन दिन गहन निरीक्षण किया। एनएबीएच की मानकों पर हॉस्पिटल खरा उतरा है।

क्या है एनएबीएचः क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया से संबद्ध एनएबीएच देशभर के अस्पतालों को बेहतर गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए मान्यता प्रदान करता है। हेल्थ इंडस्ट्री में गुणवत्ता के लिए उच्च मापदंड तैयार करने और आम लोगों को इसका फायदा पहुंचाना ही बोर्ड का उद्देश्य है।

कुलपति डॉ. विजय धस्माना ने कहा कि एनएबीएच के मानक कठिन थे। भारत में करीब 600 मेडिकल टीचिंग हॉस्पिटल में से भी कुल 25 मेडिकल टीचिंग हॉस्पिटल ऐसे रहे जिन्हें एनएबीएच मान्यता मिली हुई है।

उत्तराखंड का पहला हास्पिटल बना हिमालयनः कुलपति डॉ. विजय धस्माना ने दावा किया कि उत्तराखंड में सरकारी व प्राइवेट मेडिकल कॉलेज की श्रेणी में एनएबीएच सर्टिफाइड होने का गौरव एकमात्र हिमालयन हॉस्पिटल को ही मिला है। बताया कि 105 मानकों सहित 650 बिंदुओं के आधार पर एनएबीएच सर्टिफिकेट जारी किया गया। बस्तियों में जाकर जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा देने के लिए अपने–सपने संस्था की ओर से चलाया गया शिक्षादान अभियान जारी है।

ई-रिक्शा, थ्री व्हीलर, विक्रम तथा टैक्सी सर्विस शर्तो के साथ चलाने की मांग

संवाददाता देहरादून। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने जिलाधिकारी देहरादून को पत्र लिखकर देहरादून महानगर में छोटे सैलून, आर्म्स (असलाह) की दुकानें खोलने तथा शहर में ई–रिक्शा, थ्री व्हीलर, विक्रम तथा टैक्सी सर्विस को शर्तों के साथ चलाने की अनुमति दिये जाने की मांग की है।

यहां जिलाधिकारी के कैम्प कार्यालय में महानगर कांग्रेस कमेटी के महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने यह पत्र सौंपा। इस अवसर पर उन्होंने जिलाधिकारी देहरादून को लिखे पत्र में लालचन्द शर्मा ने कहा कि कोरोना महामारी के चलते लगाये गये लॉकडाउन के कारण प्रदेशभर के छोटे सैलून, आर्म्स (असलाह) की दुकानें भी बन्द पड़ी हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों का रोजगार इन संसाधनों पर निर्भर था उनके लिए अपने परिवार के भरण–पोशण का खर्च वहन करना भी मुश्किल हो रहा है। इसी प्रकार ई–रिक्शा, थ्री व्हीलर, विक्रम तथा टैक्सी सर्विस से रोजी–रोटी कमाने वाले लोगों का संक्रमण की संभावना के कारण व्यवसाय ठप्प हो चुका है तथा वह बेरोजगारी की लाईन में खड़े हैं।